|| विश्वस्तरीय ऑनलाइन ज्योतिष पोर्टल ||

Horoscope Website : https://JyotishShastra.com
AstroShopper (Astro Products Online Super Store) **:** https://AstroShopper.in
Email : care@jyotishshastra.com
WhatsApp Direct Link : https://wa.me/919520039039

हॉरोस्कोप फॉर्म विवरण :-

NAME :	Sharad Kumar Sharma	GENDER :	Male
DATE OF BIRTH :	14-09-1989	TIME OF BIRTH :	02:05 PM
CITY :	Alwar	STATE :	Rajasthan
COUNTRY :	India	LANGUAGE :	Hindi
PROCEDURE :	Vedic Parashar	SERVICE NAME :	GemStone Suggestions
QUESTION(S) :	Acha ratan btye jo mere liye suit ho...dhan nd mansik bimri dur ho ...achi job ya bussiness kr ske...best ratan nd rudraksh btye		
Address : 1 K 396 Shivaji Park, Alwar, Rajasthan - 301001			
Mobile No. : 8058021906		Email ID : sharad857@gmail.com	
ORDER ID : #1096	PAYMENT ID : 373000996	AMOUNT : ₹524	
Order Date : 31/10/2020	Delivery Date : 07/11/2020	GSTIN : ####	

लग्न, राशि एवं ईष्ट :-

लग्न :	धनु
चंद्र राशि :	कुम्भ
ईष्ट देव :	हनुमान जी

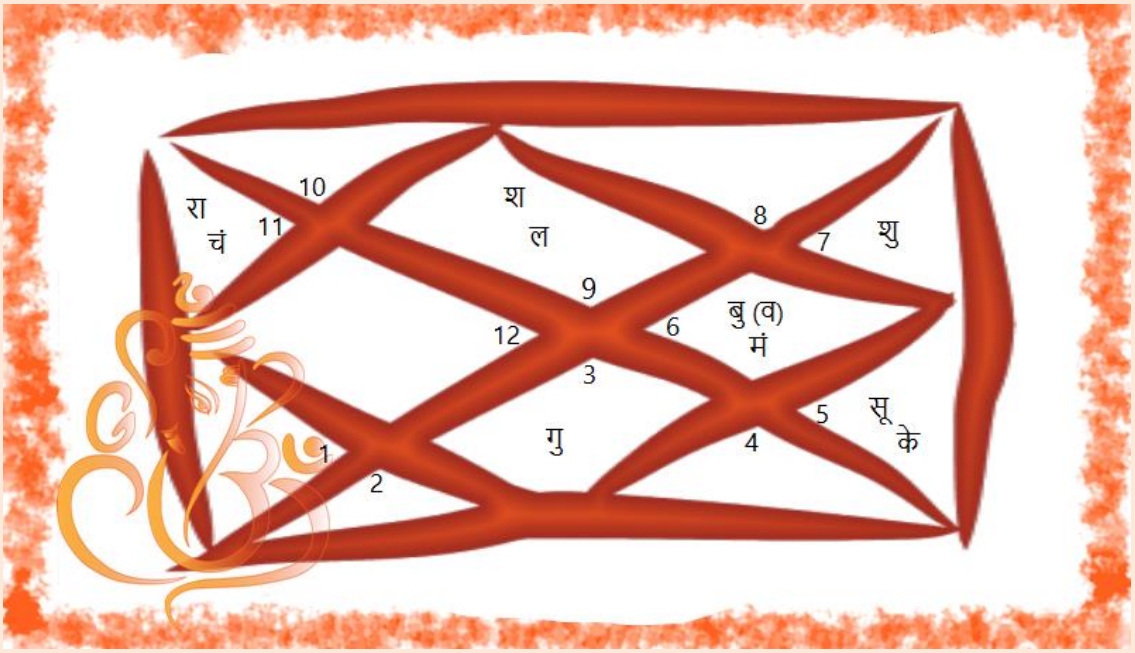

ॐ श्री गणेशाय नमः

रत्न धारण परामर्श :

आपके द्वारा चुनी ज्योतिषशास्त्र जेमस्टोन होरोस्कोप सेवा के अनुसार आपको निम्न रत्न धारण करने का परामर्श दिया जाता है | परामर्शित रत्नो को धारण करना आपको व्यापार, नौकरी, स्वास्थ्य, मानसिक शान्ति, धन, सुख, समृद्धि प्राप्ति में सहायक सिद्ध रहेगा।

इनके धारण करने से आपको समयानुसार इनके प्रभाव प्राप्त होते रहेंगे | रत्न उच्च कोटि के व दोषमुक्त ही धारण करें अन्यथा इनसे आपको लाभ की अपेक्षा दुष्परिणाम भी प्राप्त हो सकते हैं|

पुखराज रत्न धारण करने की विधि :-

पुखराज अथवा येलो सफायर को स्वर्ण की अंगूठी में जड़वाकर किसी भी शुक्ल पक्ष के बृहस्पतिवार के दिन सूर्य उदय होने के पश्चात् इसकी प्राण प्रतिष्ठा करवाकर अथवा करके धारण करें | इसके लिए सबसे पहले अंगुठी को दूध, गंगा जल, शहद, घी एवं शक्कर के घोल में डाल दे, फिर पांच अगरबत्ती बृहस्पति देव के नाम जलाए और प्रार्थना करे कि हे बृहस्पति देव मै आपका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आपका प्रतिनिधि रत्न पुखराज धारण कर रहा हूँ कृपया करके मुझे अपना आशीर्वाद प्रदान करें | तत्पश्चात अंगूठी को निकाल कर "ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं स: गुरवे नम:" का 108 बार जप करते हुए अंगूठी को अगरबत्ती के उपर से 108 बार ही घुमाए तत्पश्चात अंगूठी विष्णु जी के चरणों से स्पर्श कराकर तर्जनी अंगुली (अंगूठे से पहली) में धारण करे |

बृहस्पति के अच्छे प्रभावों को प्राप्त करने के लिए उच्च कोटि का पुखराज ही धारण करे, अच्छे प्रभाव के लिए पुखराज का रंग हल्का पीला और दाग रहित होना चाहिए , पुखराज में कोई दोष नहीं होना चाहिए अन्यथा शुभ प्रभावों में कमी आ सकती है | प्रभाहीन, धारीदार, दूधिया रंग वाला, जालदार, काली छींटों से युक्त अथवा सफेद बिन्दुओं से युक्त पुखराज रत्न का धारण अथवा प्रयोग सर्वथा निषेध होता है। लाल छींटे, गड्ढे, खरोंच और एक साथ दो रंगों से युक्त पुखराज रत्न भी अनिष्ट का कारक होता है।

पुखराज धारण करने के लिए सर्वप्रथम अपना वजन करें व उसको 10 से भाग कर दें जो अंक आये उतने रत्ती का पुखराज धारण करें | माना की आपका वजन 70 किलो है इसे 10 से भाग करने पर 7 अंक आता है अर्थात आपको सवा सात रत्ती का पुखराज धारण करना है |

आप ज्योतिषशास्त्र के ऑनलाइन वेब पोर्टल (www.AstroShopper.in) के माध्यम से विशिष्ट वैदिक विधि से प्राणप्रतिष्ठित एवं विशेष मन्त्रों - पूजा से अभिमंत्रित ओरिजिनल पुखराज रत्न प्राप्त कर सकते हैं।

मूंगा रत्न धारण करने की विधि :-

मंगल देव के रत्न, मूंगे को स्वर्ण या ताम्बे की अंगूठी में जड़वाकर किसी भी शुक्ल पक्ष के मंगलवार को सूर्य उदय होने के पश्चात् इसकी प्राण प्रतिष्ठा करें | इसके लिए सबसे पहले अंगुठी को दूध, गंगा जल, घी, शहद एवं शक्कर के घोल में डाल दें, फिर पांच अगरबत्ती मंगल देव के नाम जलाए और प्रार्थना करे कि हे मंगल

देव मै आपका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आपका प्रतिनिधि रत्न मूंगा धारण कर रहा हूँ कृपया करके मुझे अपना आशीर्वाद प्रदान करे | तत्पश्चात अंगूठी को निकाल कर "ॐ क्रां क्रीं क्रौं स: भौमाय नम:" का 108 बार जप करते हुए अंगूठी को अगरबत्ती के उपर से घुमाए तत्पश्चात अंगूठी हनुमान जी के चरणों से स्पर्श कराकर अनामिका में धारण करे | मंगल के अच्छे प्रभावों को प्राप्त करने के लिए उच्च कोटि का मूंगा ही धारण करे, मूंगे का रंग लाल और दाग रहित होना चाहिए, मूंगे में कोई दोष नहीं होना चाहिए अन्यथा शुभ प्रभाओं में कमी आ सकती है |

मूंगा धारण करने के लिए सर्वप्रथम अपना वजन करें व उसको 10 से भाग कर दें जो अंक आये उतने रत्ती का मूंगा धारण करें | माना की आपका वजन 65 किलो है इसे 10 से भाग करने पर 6.5 अंक आता है अर्थात आपको सवा छह रत्ती का मूंगा धारण करना है |

आप ज्योतिषशास्त्र के ऑनलाइन वेब पोर्टल (www.AstroShopper.in) के माध्यम से विशिष्ट वैदिक विधि से प्राणप्रतिष्ठित एवं विशेष मन्त्रों - पूजा से अभिमंत्रित ओरिजनल मूंगा रत्न प्राप्त कर सकते हैं।

मोती रत्न धारण करने की विधि :-

डिप्रेशन अथवा मानसिक परेशानी अधिक होने पर मोती धारण करें। निम्नवत दिए गए दो उपायों को यदि आप प्रतिदिन कर सकते हैं तब ऐसी स्थिति में आपको मोती रत्न धारण करने की आवश्यकता नहीं है।

मोती को चाँदी की अंगूठी में जड़्वाकर किसी भी शुक्लपक्ष के दूसरे सोमवार को सूर्य उदय के पश्चात अंगूठी को दूध, गंगा जल, शक्कर और शहद के घोल में डाल दे | उसके बाद पांच अगरबत्ती चंद्रदेव के नाम जलाये और प्रार्थना करें कि हे चन्द्र देव मै आपका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आपका प्रतिनिधि रत्न, मोती धारण कर रहा हूँ , कृपया करके मुझे आशीर्वाद प्रदान करे | तत्पश्चात अंगूठी को निकाल कर "ॐ श्रां श्रीं श्रौं स: चन्द्रमसे नम:" का 108 बार जप करते हुए अंगूठी को अगरबत्ती के उपर से घुमाए फिर मंत्र के पश्चात् अंगूठी को शिवजी के चरणों से लगाकर कनिष्टिका ऊँगली में धारण करे | शुद्ध और श्रेष्ठ मोती गोल, श्वेत, उज्ज्वल, चिकना, चन्द्रमा के समान कान्तियुक्त, निर्मल एवं हल्कापन लिए होता है।

मोती धारण करने के लिए सर्वप्रथम अपना वजन करें व उसको 10 से भाग कर दें जो अंक आये उतने रत्ती का मोती धारण करें | माना की आपका वजन 70 किलो है इसे 10 से भाग करने पर 7 अंक आता है अर्थात आपको सवा सात रत्ती का मोती धारण करना है |

आप ज्योतिषशास्त्र के ऑनलाइन वेब पोर्टल (www.AstroShopper.in) के माध्यम से विशिष्ट वैदिक विधि से प्राणप्रतिष्ठित एवं विशेष मन्त्रों - पूजा से अभिमंत्रित ओरिजनल मोती रत्न प्राप्त कर सकते हैं।

रुद्राक्ष :-

7 मुखी नेपाली रुद्राक्ष लाल अथवा काले धागे में धारण करें। इसे आप 30 नवंबर 2032 तक अवश्य ही धारण करें। इस अवधि के पश्चात भी धारण कर सकते हैं।

आप ज्योतिषशास्त्र के ऑनलाइन वेब पोर्टल (www.AstroShopper.in) के माध्यम से विशिष्ट वैदिक विधि से प्राणप्रतिष्ठित एवं विशेष मन्त्रों - पूजा से अभिमंत्रित ओरिजनल नेपाली रुद्राक्ष प्राप्त कर सकते हैं।

धतूरे की जड़ :-

धतूरे की जड़ लाल अथवा काले धागे में धारण करें। कम से कम सवा तीन रत्ती अथवा अधिक रत्ती की भी उत्तम फलदायक रहेगी। शनि के बीज मंत्र "ॐ प्रां प्रीं प्रौं स: शनये नम:" का जाप 108 बार जप करते हुए धारण करें | इसे आप 30 नवंबर 2032 तक अवश्य ही धारण करें। इस अवधि के पश्चात भी धारण कर सकते हैं।

विशेष उपाय :-

♦ मानसिक अशांति अधिक होने पर प्रतिदिन चन्द्रमा को लगभग 20 - 30 मिनट तक निहारें।

♦ मानसिक अशांति अधिक होने पर रात भर चन्द्रमा की आभा में रखे जल को सुबह के समय पिएं। ऐसा प्रतिदिन करें।

नोट :- ज्योतिषशास्त्र, ज्योतिष में भाग्य से अधिक कर्म को प्रधान मानता हैं एवं हमारे द्वारा प्रदत्त कुंडली विश्लेषण पूर्णतया वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित हैं | जो कुंडली में लिखा हैं वह भाग्य हैं, जो बीत गया उसे ठीक तो नहीं किया जा सकता किन्तु अच्छे कर्मो के माध्यम से हम अपने आने वाले समय को सुखमय व सरल अवश्य ही बना सकते हैं | ज्योतिष अन्धकार से भरे मार्ग पर एक पथ प्रदर्शक के रूप में कार्य करता हैं |

यह भी सत्य है कि ज्योतिष किसी जातक को उसकी सीमा से परे तो नहीं ले जा सकता परन्तु हाँ उस जातक की सीमा के भीतर आ रहे अवरोधों व बाधाओं को दूर करने का मार्ग अवश्य प्रशस्त करता है |

नोट :- ज्योतिषशास्त्र द्वारा संचालित ईकॉमर्स पोर्टल : https://AstroShopper.in के माध्यम से आप विशेषज्ञों द्वारा विशेष विधि से सिद्ध एवं प्राण प्रतिष्ठित किये हुए नेचुरल एवं ऑरिजनल रत्न, ज्योतिष एवं

वास्तु सम्बंधित यन्त्र, परद प्रोडक्ट्स, नेपाली रुद्राक्ष बीज, रुद्राक्ष माला, स्फटिक प्रोडक्ट्स, फेंगशुई प्रोडक्ट्स ऑनलाइन मंगवा सकते हैं |

उपायों के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की जानकारी प्राप्त करने अथवा असुविधा होने पर ईमेल आईडी care@jyotishshastra.com पर हमें ईमेल करें अथवा 9520039039 पर व्हाट्सऐप करें |

नोट :- साकारात्मक भावना व श्रद्धा से उक्त दिए गए उपायों को करें | उपाय बोझिल मन से कतई न करें |

भगवान श्री गणेश आप एवं आपके परिवार के सदस्यों को सुख, शान्ति, स्वास्थ्य एवं समृद्धि प्रदान करे |

गुरुदेव संदीप पुलस्त्य

ज्योतिष एवं वास्तु आचार्य

— — — — — — — — — — — —

डिस्क्लेमर :- कुंडली विवेचना एवं प्रदत्त परामर्श पूर्णतया आपके द्वारा उपलब्ध कराये गए नाम, लिंग, दिवस, समय एवं स्थान पर आधारित हैं | उपलब्ध नाम, लिंग, दिवस, समय एवं स्थान भिन्न होने पर प्रस्तुत विवेचना एवं परामर्श परिवर्तित हो जायेगा जो आपके जीवन घटनाचक्र से भिन्न होगा |